

# कुषाणकालीन कला की विशेषताएँ

अशोक कुमार 'अमर'

प्राचीन भारत के विभिन्न प्रसिद्ध राजवंशों में कुषाण वंश का अपना विशेष स्थान रहा है। कुषाण वंश अपने वैभव एवं शक्ति में विशिष्ट स्थान रखता था। कुषाण काल में भारत ने आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक उन्नति के शिखर को छुआ। कुषाण वंशी शासकों के समय में जो प्रगति भारतवर्ष ने प्राप्त की, उसकी बराबरी इतिहास में बहुत कम देखने को मिलती हैं। कला का मानव जीवन से गहरा संबंध होता है। किसी भी समाज की सभ्यता एवं विकास का ज्ञान कला से ही हो जाता है। कला संस्कृति का प्रमुख भाग है। कला विचारों को आगे बढ़ाने का एक साधन है। कला के माध्यम से मन के भाव प्रकट होते हैं और उनमें स्थायीत्व आता है।

कुषाण शासक विदेशी होने पर भी भारतीय संस्कृति के रंग में रच गये थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति को प्रोत्साहन दिया। कुषाणों के समय में भारतीय संस्कृति का विकास हुआ। कनिष्क के काल में कला की विशेष उन्नति हुई, जिसमें मूर्तिकला, मुद्रा कला और स्थापत्यकला की गणना की जाती है।